हिन्दाहिक्तारिहारिहन्त्रमहिन्द्री। राज्य ३६ ल्लामिकाम्बर्ध मिनाचि सिन्धानेत्वि महना लया हेन थे उम्मय ते है अने ते जिल्ला निशा ।। उत्तवभवधी आवस्तव्यावमी पिरीवे अव डेब्रुअ इति। भा उत्थिली भा विष्य मिर्टी। उ वीउत्तवभववेगेगथेरथीक् नवरेथीक् भमारे डेथमनी रीयी सरित दे उने वेग पां ड क्षिपी व वेग्सिवास्ट्रिमण्डा १०११ ररा। गर्ने स्मि न्हीं ग्रेने भग्गियां मी जिसे बसी रासवारेज मा प्रवर्गेय उलेरव ने गर्भाव में इने गियु वात्र वर्गे भव्येरहिषेकारे भववम् सर्वरेका १३॥ ॥व न न या व मीगामवर अमवरे यर से रवने गते दीने उबवेगानिक्य ही तुमब्बारारे स्थान तु उठेठे। २४। । उसी ने भवनी मिनमलीउया वसी विरोभे बेचे। न्या समवरे इने रन्ने। मीते ते मा ढलवतवभववरे उता वि उत्सी तुथा मी त म्ररीषाली हाउने जे। अम्बने जें। ने बन्रमीभ

मबालालेबेरी भावा लड़ावा रिव भरी रेवम मी गिरीबयेउउथ्हावगरण्ठाभ

जयत्थ षाज्य वर्ष्ट्रियम्थी स्थी स्था स्था

तातवलाग्यागमी गिरीषी सथीवेरेजता। व्यम्उवरेट्नेगम्रडवरेथ्र के ने बवरें हा रेवरे तिथववे उग्धी साम वृत्ते न त्यवेग ने ष्टि मवाङ्ग ष्ठव्ववेग रम्बी डिमाध च षेठे उगम्न यवत्वी उद्योत्त्यी मर्दे लेथ ब्रेड ग्वा बीव लाव क्रेन्सारी।१॥ ॥स्वम्सारीरभववी भम्भाव डाउव व्यागा प्रथाव मी।। प्रिकेरं रायुग्उत्भर्वग्रेगरेगार्डगर्वगरेने युलारी वे हाता उहे उसिरा ही मारी है। वास्थानवरे र्नानिसभारु उर्वेग । उर्वी रुभमं वर्वेग । ने वर्ग्डेम र मेरे ष्ठावया अगरे उग मुंच वेय राभि मातेभवुभाष्ट्राचेत्रभार्उग्वावव्यरीवद्या मीवतुम्बम्सम्बेस्त्वातववाम्मव्यम रवना तिरुभवम्य विर्वाधिया वर्ग वर्गाष मदीवेभमस्तीर्गायवगास्वावनी । या हमामायीरेग्राग्रियवयाषियाभर्वमेष वेथीमबन्नां जेहिस्या हे मिन वे मास उन्वने

वभह्रे जारित १५ देव हा भेम्बरे घरा भवेगात ਚਿਰਕਤਿਲਾਪਾਰਸੀ ਹਿੰਦੀਗ਼ਟਾਲੀ द्राह्वारुववेगभवतेत्र

मुस्तवग्रवीषियाग्रा सीभाग्र बन्नेवर वेब्ने पण्टेब ग्रामं रवन मिप र से प्वन के। उठमागुरा घेंच्ये अवेद्वरेहें। लव्ववर है है। देंग्यी मववव हिरथगरेबेनलमाययहेगयारेबेठउठा बेमाते उग्र टेसले हो दे चुम्त्म्बग्र र गा। गिर्धामलद्रलभवद्या चिववतववयात ਹਿੰਈਂ ਗ ਰਾਲੀ ਦਾ ਦੀ ਦੀ ਹੈ। ਸਰਦੀ ਅਸਕੀ विद्यापलयोगने बर्गाम्ल बरते दी ष्यांब्वाग्भव्स स्ततं रावी नवधी घेरभनीवयावमी मबग्रह्मराज्याभवयवात्रस्व हाथी इसे बारी हुउ ने उपने जितरारु अवहार मरारुवीकी विश्वासिकार विश्वासिकार ग्रिंगवढ्रा घेवें स्तववा ने श्रेमी आरे रिवराङ्ग्यारिजारिवमा सडीवव्या शारक्षरीमीते के। रेथा वतरार बडीवा

गाथिवा डीतभवषी बहम डे बेहु थु गंडरेग्ताग्मर्रेस्नाथ्मवर वनविमेभ सभमासी भरूग रेवेसे लमास्योमविष्टिची तुलेयववे उगम्बल गवन् वभववी अमबनेग स्थ वमी घारीतमेउभव्घतभव्यीम् उववी गम्रह्णम्बर्ग्येस्कार्थरत्व येभु इते छला हो। शुना व रहा। ३ हिभा थवरसम्भवधी खत्रीयावमीगाउँरीव गरीरीगनेवन्धीमवेतमहानसहउगहिबाभी ह्ताने भगगीरे भी वे मास्यी मबेले पवरे उ थग्राचित्रविगत्तेभवीवमास्रभगष्टेउगब्दभ वयेग्रभव्रस्वहेर्गकाभिवयम्बकाचवर्ष वववरी रीतालम्थरूभले उन्हरिंगानात नेसेथववेडाउसीवाहालिखरी मेन नेंग्यवनियी भरूमवे न चीमायी भरारिवेस

गाहेउाथवमभव्टरव्उवान्तम्भभेवक्षेउगरे योजनारिंगेश्रमवरीं भावासा। १०११ अवर्षरेगभवधी मुगगीतअवृत्तपागी। ਹਿੰਦੀਕਰਕਣੀ ਦੀ ਬਿਰਹਾਰਹਾਮ ਅਸਕਹੈਪ ਹਨ मवासर्रमाभ राभववा मर्चन वी मायवाग्र उ गर्ग्वमत्वगर्गतम्मात्रवर्ग वुच्याम्रिसर्गयुगा ५६ग) । । यह द सर मुंगिरी पिर्वामार्थान्य मी विसे मुंग गविरस्याग्निवधी गग्भश्मवर्थय देशन्योम मेंग्वेबेसेयववेडाक्षेर्वर्डिभइनेय रिगनेघालवा उरेहे उग्येर हसे लेग १३॥

अम्भव्यउसामभवधी घेषवार्यावमी विरोत्त रायतीरीकारी गम्र र उर्वे डी से गभा इ र्गितभारो। उन्वस्तरी तें चला है जा यां उत्वीय वे जान बांभ वनेपार वर्डियारकारेव उथागि।उरीयम्थमो **ग्रिंगभधीगमां अधीम वेसे पवने उप्पेर** ह रार्थरोग्ढिढवेतारेथावत **भउग्रेथर का**त्र्सह्यत्रभ्र यां उत्थम् बनेगित थं मबर्भ वर्ब वेग थ्रा वर्ष नमवालो। १२॥। गाँच उमी भाव था व

मी ने उरिगास थे गरे। मगर न ने रेसे। भार दि हामामया तरा मन्त्रत रमर्वायमाम स्थानीहर व वप्रहामस्त्रास्त्राम् वस्य द्राचार्यस्य लीभारा हो। ने रिवाम मवास्वी न भम्या सिं वित्र हे वामायवन वित्र मिन वी या वेथी हे उपा मीलाग्री उत्तरका ने लेपबरे उत्तरी रीपीइ ।।अवाम भ ममगुगुवा १९।) ग्यावमी पिरीचमावार्य राजिती य डेन बरे हा वयवा है। देव डे खान वी वतु भले वीथार घारि। नादे। ने उपवीहर ववववे थाहे उन्ते उभव्यिका ग्रीता वियाहे। ते वित्रवेच 

रिकरिकादे।१८१। गयसासमाम्तमवधी भवधी मिवदाषावमी भवाविष्णगुरा वरक्रमवर्ग्य ने मान्य के अपने का अपने के अपने किया है। ए गुरुवेग) भाग्या सत्या। त्रं म सीमसारेवेउ पउव व ब ब सीमा व वे उगमध हारेहे। हरा तथमरी बना ने ग्रमसभागमसभाग निवभारित संयानमी गिरी मिनवानमर ते उथा रेडा मुखबी रवकाय भीनगरें ग्वीयह वंगरे शिभावाका) धामसभाष्ठी

भ मवास्त्रिववेषायीभसारिवेस्थभेववेभा मनितदेवहवरेगा २१। गमानम्बानिभवदी मिवाध्यावमी रिटीमरगरी।नेइ युगरारिमे ग्भउंगार्च ने प्रापाउर्भस्ववे ने अधाववे गा मीवर्गेराववेग नेसावमाकरायवाहा रहे मेग मश्रामवरे जी तीरवत्रामारे भर्वे वर्ष वर्षा नठगग्रवनगारेगारेसर्भ्रमवनेगनेवन नलमायवसगरेने वेवातधतय मेरापारेउप उवववेवव सीमाववेजाग्रसमें रगमें नर्गने। 2थ3री वयी तामी व वैय बार है जे भयर व वा मिनीरुपेरावनरागारेक्यान्त्रवामरूभवनव उवरुद्रतेशाद्धेवमवघउभउवसभवघावेष मबाधिलाहे। १२।। । । खलिस भवधी विमर्व राबुयाव मी। उरीन इयात रीजा गुभक्ष मवेज उसि । भक्तर्य चारे । भव्यमर बना । भवर्षना यवकार्यस्थी इति वर्धी इति वेश बरुत्र्वे व वेगर्थर्डीरिल्जारेथउन्तर्तवरारीवरारी

स्वायरिमहद्यारा। नद्रा। गंस्थ्यभवद्यी मद्धरा ख्यावमी विरोभा सब्विरे उत्तामवर उवर्वे उभारतनाश्यावनानेन्त्रध्यारागम् उप्यरहिसमाता नेवैतीय हे उन्वे ताता। रहे। गिर्भागवमावनी वित्रत्यां वर्ष घारवेग उवस्था गिरी भी गरी गम्र रव **म्यवकात्राक्तियायवार्वकाव्यवात्रा** उँगाभतथर्रेगारेयज्वतभवीवर्गा२ पा। विभागवित्रवृश्मवन्नी विभागरेवास्थावि अउउ भलशान्वरायरावव गान्धा भागम्बनभग बी भी भल उपमया गी पिटी व्रभालां ने भली मुळली जैंग भा ना रेल जैंग पेंड नेष उंबद्धर विवेचतव्रेति। नेबवयती ऐरेव प्रतास्मान्ग्रासा व उसी मचने सरे उसा वता

एवान्स एरवं उथ उव्ववे ब्रव सी भग वर्वे उ श्रान्यभववास्ट्रीमं नर्गवेगनेवामती उभ नलमायाभलगरववमवधरा ह उग्बंध हवार हेना है। नी वासामारहा वनस्य स्थान विश्वापन उवानिभासीमा स्वारं डागि उरगोरा व गमवरासवीवरीढिस्री ह्यवंगार्गा वास्तावमी। उद्यासमाध्य सहस्रमा भी। वास प्रवर्ग में हुर्वित्र विश्व का अन्तर्ग का कि विश्व कि वि उत्यम् रववागनगवभग उसीरे वियत् असे गुभवधीरेगाउँरीग्रास्त्रिक्रिक्रिंग्राम्ब्रधार्थ ਦਨਤੇਗ਼ਲਾਬਹੈ**ਾਬਦਲੀਮ**ਰਚਾਤੇ ਸ਼ਰਹੈਂ**।**?॥ ਵਾਰਦੀਨੀਪਾਰਸੀ ਹਿੰਦੀਦਾਲਚੀਨੀਹੈ।ਗ੍ਰਮੁਖੁਸ ਕਰੇ ਤੀ ਜੇ ਮਕੇ ਤਾਦਮੀ ਨੂ ਜੁਕਾਮ ਨੂੰ ਸਰਦੀ ਨੁਖਰਾ ही था मी उपित्र की मिनार विप्रगारितारी

भीत्र वैथषारि भृत्रयोत्र रुठेगते शैक्ते उवने गठवं रिमईग्रीतुरसादेग घ्या घ्या व्या वसत् व्या हेम्ह्यउँगीभारेकार्यग्वरभाग्वर्गाष् रसंश्रेलं ना जै। श्रेंगवा विवादिमारा। गन्मवर्षी भादीभात्रभावमी गिरीव्ववरीती। भउन्जैथा से असे मार्चिम राखा शिव रे भन तर्घयारे। षयर्थेरावने। म्बनेग्र त्ववंग्रघण्टरेताता ३॥ ॥रवभागवा न्तर्भावमी उर्वो उरवी उरी री री हो हो जे। मूर्वा मव र्रिस्तापेरह्षियाभुद्रते स्टल्हेग उग्डबास्त्रीय रो।४। रथातभावमी द्रस्थावमी । उरीयभारे तेश्र देन्त्र अभाग उर्जे । अगमतहात्येष्टा वर्जे । ५१) । रिवन संभवधी उउवथावमी। भामवित्रराभा उरिलर्गायेरत् धेयेस्यत् विपीवने।ह।। रेडिन भवषी। रेउंगरी गेण हैं त्रंभी निम्ह भव वधीवउरेउकार्सीयावमा॥नेष्टमदीवभवम ष्ठियवभे उग्यु व वीवभ्रभगवेगाय मु उस्थार्थ

उहेग्रमभ्रमवरे असेग बारी भी स्ववस्थी वयवांत इल मनरी विद्धरीविभाषितात् उने। अगन् श्वानि भगर्भ उर्गितवन् अविकाल विकाल व अंत्रेरी। ।। रसीच्या वितावयावमी पि रीव्यतावी)। मवरश्रमव्रेपरकेष्वमानेवव उदा हिमबी बरथी मबेत्र भा छिपन भा छरगा य डेथवा बिंह वे उग्गत्रवेग से ती व मा अयो मबे ले यववे अन्तराष्ट्रिका वेवटे वी विकास स्पेत्र राजे। गारीमाग्रभवषी मगुन्ययाग्रमी रिरीमि श्रीगरिभागने प्रेमव व मवर उव प्रेग भरू गरी त थेरावनामिनभव्याउर्धस्वनापेरहत्नभ वकास्वरमव्यवस्य रहियन्तरो रियववर्य रत्यां गीरी। घरलां में व्योगी भवसा देवा रीर लंडीतीरेनीरीएट्रा। गारिभागंडिरेंब्रवत्रा र भववी भग तथ र म सर्भ र भी भा तथा र भी। गिरीनिष्ट्रबुव्य भावववदीरीगेगने बेविष्ठ । घनच्यारीग्रनरुतासनिसगरिवेथारितवत्ती

वर्टा११९॥ ।एटवालासम्बन्धिभवासम् अव थानमी पिरीभिष्टि रही पैपनेम्बारिवे स्रभारेडागीनवगीनगरिंग ११॥ अब्मिभववी भग्निमियवथावनी जिस ਦਾਮਦਾੜਿਕਟਾਹੈ<sup>।</sup> ਜੇਮੁਖੀਰਸਾਕਨੇ ਡੀ जीनगरियार मार्थित कर्या विकास गारिभाग्रसभावसभावषी भगा वनी गिरी भिष्यभेद्र रीजे गंशत बेउंग्रिस थरपादाहुबर्गि। १३॥ गरमसम्बर्धितमा षे अंतम्माष्ट्रमाथावनीगम्बर्धमवर्रह्नेग नेवर भया देभवर वर्ग रे भी वर्ग भाग भी वववेडिमरीं तवरीतास्थारि उपयेर हिंपी यीत्रभव्सथभार्उकाम्बर्धरववी वर्तुग्रह्यके। १४)। । रिभम्नवष्ठी संतथाव मी पंतरवबी उरिलें दें पे ग्वापरवरें पर लेग मीवरेमराववेणववेग्रभ्अरेववेमतव्वेगाव व उर्वेगी हैं जैंगिने म्लंबव र रें विवसार गरें।

घववरा

भव्यणद्वराजेहे। तरहीमराग्रासारे उभाषाहै ४० चलीपाव रोव उसे वव घव उता घरणारेव थे। त नामना हे उन्हें महे ह्वदेव वव के। ने हे दिन वबरवेगिववेनासाभसारिवेपीहेगउांग्रावर जारीयी इंडे भागतेरी भाग्य विशेषिक रितारे उगा नेलववेरामेतेनाता११।।। गर्भारीनभ विष्ठे भेतरे नरायावनी रिरोले शिष्ट महीरी ਰਿਤਣਾਹੈ। ने ਖ਼ਰਸਨਮਲੇ ਤਾਨ ਫਾਕਰਾ ਜੇ ਦਿਸਤੇ घगेत्रधान इत सगरिये घरी वन वे वगा भी उन्मे उम्बाबुतग्रहेग१हा। गरीमसनेष्ममवषीं अ तिथवमयावमी विरोक्ण विस्तरों ने ने ने विश्व मिरिहातारी साहे।।१२॥ ।।रीमलडीमानवर्ष श्तरवयान मागनेवन सेथवने उमेन भार जो। गरिमुसमग्रनभग्वधी अंत्रष्त्रभग्वमी गिरीलेउ ष्ववंशराजाने ववंतवेथा रिउमिर्भ र्पटक्वे।१९५१) गरिम्लभव्तवभववीं श्रेत अन्यातमा गिरीलेयममेरारी । नेवनमथे

रागार्भावक रोमार्केयववे अग्रात्वेम में बुक भारजन्मजीमाग्रुग्वाप्या ।।रिमुसरीमाभ्य वीश्वतग्रवत्र भागनी विशेत्र भारे रहे भारे डे तवे अग्रेडा भोड़ारे तथा मारु भव्यक्त गरिम्लिंगभाभाग भी अतव्युर राथावमीर्विष्टीक्षेत्रवयेउरावेगमेतेश्रीयाहेउर स्वमार्विवाररा। गरिमसामिलव्याउभव षी अंतब्रेमायानमी पिरीलेश्ब्रहरोगेनेवे माङ्क्रियबवे उग्वेमान्य उद्युत्म मता। २३॥ ॥ ॥रीम्सट्डनिंगंगंगंगी विरोलेपुग्रूरो गाने का ववववेत महावसह उत्वमीव नगरे।। ।भरा।।। ग्रमसथदामभग्वी संतमियग्या वनी गिरीलें एकंभ कार्रे बरागेंग ने रिमर्शकारी ठभलेउ खरवठत उहुता २५॥ । १९ भ्रम्म लाभव बी शतना भूसभाव मी। उरी से इसे हर उगिरेटिइमधारियामिया तारिशास्था ॥है भलक्न भवनी अंतर्मिराधानमानि ने ने

घवं 💮